Date
13/05/2020

D.El.Ed.
4th sem

Subject - Social Studies

Subject - Major Challenges for Indian Economy

भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौतियाँ ⇒

अर्थव्यवस्था को सही प्रकार से क्रियान्वित करने की समाज के हर कालखण्ड मे रही है। अर्थव्यवस्था के द्वारा ही कोई देश की सभी आवश्यकताओ को पूरा करता है एवं उसे सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाता है।
कोई भी अर्थव्यवस्था जैसे - जैसे प्रगति की ओर अग्रसर होती है उसके समक्ष अनेक चुनौतियां आती है। स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात लगभग 6 दशकों में भारतीय अर्थव्यवस्था मे कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए। जिसके फलस्वरूप हम जहाँ एक तरफ वैश्विक समाज मे एक महाशक्ति के रूप मे उभर रहे है वही दूसरी तरफ हमारे अर्थव्यवस्था को कई बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जो निम्नलिखित है —

1. गरीबी.
2. जनसंख्या वृद्धि.
3. जनसंख्या घनत्व
4. भारत मे जनांकिकीय प्रवृत्तियाँ
5. बेरोजगारी

P.T.O

Scanned with CamScanner

(गरीबी) - (Poverty)

1. समाज मनोवैज्ञानिकों के अनुसार - "गरीबी वह आर्थिक स्थिती है जिसमें व्यक्ति अपनी ओर से अपने आश्रितो की मौलिक आवश्यकताओं को पूरा करने मे असमर्थ होता है"
2. रेबर एवं रेबर के अनुसार "निर्धनता का तात्पर्य सम्पत्ति तथा सम्पत्ति तथा सामग्रियो के अर्थ मे अपेक्षाकृत निम्न जीवन - स्तर से है"

भारत मे गरीबी

भारत मे गरीबी को अर्थव्यवस्था, अर्द्ध - अर्थव्यवस्था के आयामो और लक्षणो को ध्यान मे रखकर परिभाषित किया जा सकता है जो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों द्वारा निर्धारित कर दिए गए है। 2014 के अनुसार, भारत मे, गरीबी रेखा को ग्रामीण क्षेत्रो मे रू० 32 प्रतिदिन और कस्बों और शहरों मे रू० 47 प्रतिदिन निर्धारित किया गया। योजना आयोग द्वारा जारी (20 जून 2013) आंकड़े के अनुसार अखिल भारतीय स्तर पर 21.9% गरीबी है। विश्व मे सबसे अधिक गरीबी का सकेन्द्रण भारत मे है। गरीबी तथा निर्धनता के दो प्रकार देखने को मिलता है। प्रथम शहरी गरीबी तथा (13.7 प्रतिशत) द्वितीय ग्रामीण गरीबी (25.7) प्रतिशत।

12/15/2099 3:05 PM

Continue....

Scanned with CamScanner